f}rh; o"k

चर्चा पत्र - अगस्त, 2016

vid &3

संकुल स्रोत केन्द्रों में मासिक बैठक हेतु

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम
शिक्षा गुणवत्त अभियान

राज्य परियोजना कार्यालय
राजीव गांधी शिक्षा मिशन
रायपुर छत्तीसगढ़

डॉ.ए.पी.जे.
अब्दुल कलाम
शिक्षा गुणवत्ता अभियान

आमुख

देखते ही देखते माह अगस्त आ गया | पढाई अपने रफ़्तार में आगे बढ़ रही है | शिक्षा गुणवता अभियान के तहत इस बार "ए" ग्रेड शाला को छोड़कर शेष सभी में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य भी समय पर पूरा हो गया है | शालाओं की ग्रेडिंग कर सूची भी जिलों को भेजी जा चुकी है | अब इन शालाओं को जन-प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को सौंपते हुए उनके प्रशिक्षण का आयोजन कर उनके माध्यम से आकलन का कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा | आप सभी अपनी कक्षाओं को बेहतर करने का प्रयास कर रहे होंगे |

इस बार राज्य में स्कूल शिक्षा में कुछ उल्लेखनीय कार्य आपके साथ साझा किया जाना आवश्यक है | इन कार्यों के पीछे हमारे शिक्षकों की सक्रियता ही असली वजह है | गत माह हमने चर्चा पत्र के माध्यम से आपको स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार की जानकारी देते हुए उन्हें आनलाइन भरे जाने का अनुरोध किया था | शायद आपको विश्वास न हो, हमारा राज्य जुलाई अंत तक की तिथि में पुरस्कार हेतु आवेदन देने एवं प्रविष्टि की स्थिति में तमिलनाडु जैसे राज्य के बाद दूसरे स्थान पर है | अन्य राज्य हमसे अभी बहुत पीछे चल रहे हैं | इसका मतलब यह हुआ कि छत्तीसगढ़ राज्य के शिक्षक अब काफी टेक्नो-फ्रेन्डली होने लगे हैं आनलाइन आवेदन की तिथि दिनांक 12 अगस्त तक बढ़ गयी है | यदि आपने अब तक आवेदन नहीं किया है तो अब तत्काल कर लेवें | वे अपने प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से भी एक दूसरे से सीखने योग्य बातें अपने व्हाटसएप्प समूह में करने लगे हैं | गत शैक्षिक सन्दर्भ नामक पत्रिका में बस्तर जिले के शिक्षकों व्दारा गठित प्रोफेशंनल लर्निंग कम्युनिटी की विस्तार से जानकारी प्रकाशित हुई थी | इस हेतु वे सभी टीम मेंबर बधाई के पात्र हैं |

दूसरी उल्लेखनीय सफलता हमारे प्राथमिक शिक्षकों के गणित प्रशिक्षण को लेकर है | शायद यह पहली बार होगा कि हम सीधे राज्य स्तर से सभी विकासखंडों में जाकर इतनी बड़ी संख्या में बहुत ही सीमित समय में प्रशिक्षणों का आयोजन कर पाए और सबसे महत्वपूर्ण बात, कि इस प्रशिक्षण में उपस्थिति का प्रतिशत अप्रत्याशित रूप से 95 % रहा | इतने बड़े पैमाने में प्रशिक्षण का आयोजन, आयोजन स्थल तक किट को समय पर पहुंचाना एवं प्रशिक्षण के दौरान उनका वितरण | प्रशिक्षण के इतिहास में यह हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि रही | इसके लिए संपर्क फाउंडेशन एवं आप सभी सक्रिय शिक्षकों को साधुवाद !

आपमें से कई स्कूलों के मिशन स्टेटमेंट आने लगे हैं | अगले माह तक **सभी शालाओं में तीन से चार लाइन के मिशन स्टेटमेंट तैयार** हो जाएंगे, इन्ही आशाओं के साथ !

अब हमारा लक्ष्य आगामी नेशनल अचीवमेंट सर्वे है | इस बार हम सबसे निचले पायदान से काफी ऊपर उठने का प्रयास करेंगे | आप सभी के सक्रिय सहयोग से ही यह संभव हो पाएगा |

चलिए सब मिलकर प्रयास करें ताकि सरकारी स्कूलों में आने वाले बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके |

एजेंडा क्रमांक एक: कक्षा अवलोकन हेतु तैयारियां

सामाजिक अंकेक्षण के बाद अब शालाओं के अकादमिक निरीक्षण की बारी है | सी एवं डी ग्रेड शालाओं में माह अगस्त में दिनांक 16 से 31 अगस्त के मध्य विभिन्न लोग अकादमिक निरीक्षण का कार्य संपादित करेंगे | ए एवं बी ग्रेड की शालाओं को भी अपनी ओर से आवश्यक तैयारी करते हुए अपना स्थान बरकरार रखना है | शालाओं में निम्नलिखित तैयारियों की आवश्यकता होगी:

1. शाला परिसर साफ़-सुथरा हो एवं गत वर्ष इस अभियान में की गयी अपेक्षाओं के अनुरूप सभी आवश्यक बातें यथा लर्निंग कार्नर, वाल मैगजीन, साइंस कार्नर, मुखौटे, खिलौने, प्रिंट-रिच वातावरण, पुस्तकालय व उपयोग, समूह में शिक्षण एवं अन्य सभी बातें शाला में होते हुए दिखाई देनी चाहिए |
2. विभिन्न कक्षाओं में विभिन्न विषयों के अध्यापन के लिए स्पष्ट रूप से कार्य विभाजन होना चाहिए ताकि सफलता एवं विफलता दोनों के लिए जिम्मेदारियां एवं लक्ष्यों का निर्धारण किया जा सके और तदनुसार क्षमता विकास कार्यक्रम तैयार किए जा सके |
3. कक्षा पहली के बच्चों को अपने नाम का कार्ड पहचानना एवं प्रिंट रिच वातावरण के शब्दों को पढ़ना आ जाना चाहिए |
4. सभी कक्षाओं के बच्चों को अब तक संपन्न पाठ्यक्रम विशेषकर गत वर्ष के पाठ्यक्रम की पूरी जानकारी आनी चाहिए | इस हेतु उनसे ग्रीष्मकाल एवं सत्र प्रारंभ होते ही गत कक्षा के मुख्य बातों की पुनरावृत्ति करने के सुझाव दिए गए थे |
5. माह अक्टूबर के चर्चा पत्र में दिए गए विभिन्न कक्षावार प्रश्नपत्रों का अभ्यास बच्चों से करवाएं | इ अवलोकन के लिए आने वालों के पास ये प्रश्नपत्र उपलब्ध किए जाएंगे ताकि ये उनमे से प्रश्न पूछ सकें | यही प्रश्न आगामी अवलोकन के दौरान भी पूछे जा सकेंगे |
6. विभिन पाठों के अध्यापन के दौरान बच्चों के साथ समूह में कार्य करने हेतु ठोस योजना एवं पर्याप्त अभ्यास करवाएं क्योंकि ये दक्षता अब सभी शिक्षकों से अपेक्षित है |
7. बच्चों को सामान्य ज्ञान के प्रश्नों पर भी पर्याप्त अभ्यास करवाना होगा |
8. सभी कक्ष ओं में साफ-सुथरे श्यामपट उपलब्ध कराने होंगे ताकि बच्चों से पूछे जाने वाले प्रश्नों को उन लिखा जा सके |
9. अपने शाला के शिक्षकों व्दारा विभिन्न प्रोफेशनल लर्निंग समूह में जुड़कर एक दूसरे से सीखने के पर्याप्त उदाहरण तैयार रखने होंगे ताकि पूछे जाने पर बताया जा सके |
10. सभी कक्षाओं के आकलन के दौरान निम्नलिखित दक्षताओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा-

#	दक्षता / प्र
1	बच्चे कक्षानुरूप अंग्रेजी/संस्कृत में किसी निर्देश को सुनकर उसके अनुरूप कार्य कर सकेंगे	(Listening)
2	बच्चे कक्षानुर अंग्रेजी/ संस्कृत में किसी दिए गए बिंदु पर अपनी बात स्वतंत्र रूप से कह प / □□□ कविता सुना पाते हैं	(Speaking)
3	बच्चे कक्षानुरू अंग्रेजी/ हिन्दी/ संस्कृत में किसी दी गयी सामग्री को पढ़ कर सुना सकेंगे	(Reading)
4	बच्चे कक्षानुरूप अंग्रेजी/ हिंदी में कोई प्रदत्त कार्य लिखकर दिखा सकेंगे	(Writing)
5	बच्चे कक्षानुरूप सरल मौखिक गणितीय प्रश्नों के जवाब दे सकेंगे	Oral Math)

6	बच्चे कक्षानुरूप गणितीय संक्रियाओं को हल कर सकेंगे	Math Operations)
7	बच्चे कक्षानु आसपास की दैनिक घटनाओ / प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दे सकेंगे	Science around us)
8	बच्चे कक्षानुरूप वैज्ञानिक अवधारणाओं की समझ वाले सवाल हल कर सकेंगे	scientific concepts)
9	बच्चे कक्षानुर सामाजिक अध्ययन से संबंधित प्रश्नों के जवाब दे सकेंगे	(General awareness)
10	बच्चे मिलजुलकर टीम वर्क के रू में एक समूह में काम करते हुए किसी समस्या को हल कर ले (Team work)

एजेंडा क्रमांक दो : प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से विभिन्न कार्य

पिथौरागढ़ में एक शाम हमने अब्बास कियारोस्तानी की फिल्म व्हेयर इज द फ्रेंड्स होम देखी। करीब 35 दर्शक थे हम, जिनमें से ज्यादातर सरकारी स्कूलों के शिक्षक थे। फिल्म फारसी भाषा में थी, जिससे सब अनजान थे। बावजूद इसके यह कियारोस्तानी का कमाल था कि हम सीट से चिपके रहे। गैर-पेशेवर व स्थानीय कलाकारों से सजी यह फिल्म सात साल के बच्चे अहमद के ईद-गिर्द घूमती है।

एक रोज भूलवश अहमद स्कूल से अपने दोस्त का नोटबुक ले आता है, जबकि होमवर्क न करके लाने पर शिक्षक ने उस दोस्त को अगले दिन स्कूल से निकालने की चेतावनी दी थी। अहमद नहीं जानता था कि उसका वह दोस्त रहता कहां है? अब वह उसे कैसे खोजे, यह फिल्म इसी बात को दर्शाती है। फिल्म में अहमद लगातार बड़ों की उस दुनिया से टकराता है, जो आम तौर पर बच्चे को समझने में नाकाम रहती है और अनजाने में उस पर हावी हो जाती है।

फिल्म देखने के बाद शिक्षकों ने इस पर अपनी-अपनी राय रखनी शुरू की। सवाल उठा कि क्या यह अहमद की दयालुता थी या उसका कर्तव्य, जिसने उसे दोस्त को ढूंढ़ने के लिए प्रेरित किया या फिर इसके पीछे की वजह कुछ और थी? फिल्म में स्कूल का अपनापन भी शिक्षकों को गुदगुदा रहा था। लगभग सभी ने यह माना कि बच्चों को समझने में बड़े अक्सर नाकाम रहते हैं। अहमद के दादा की चर्चा खासतौर पर हुई कि आखिर क्यों बड़े लोग बच्चों को मारते हैं?

बहरहाल, एक छोटे-से शहर में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों का इस तरह फारसी फिल्म देखने पर कई लोगों को आश्चर्य हो रहा होगा। मगर यह खुशी की बात जरूर होगी कि फिल्म देखने के बाद इस तरह की चर्चा हुई। यह मत सोचिए कि फिल्म दिखाने की कोई घोषणा की गई होगी और शिक्षक यूं ही उसे देखने आ पहुंचे। असल में, यह एक समूह है, जो शिक्षा से जुड़े मसलों पर लगातार काम करता है। शिक्षकों को जब भी मौका मिलता है, वे किसी शाम को एक जगह जमा होते हैं, और पाठ्यक्रम से जुड़ी परेशानियों से लेकर उन तमाम मुद्दों पर अपने विचार साझा करते हैं, जिनसे वे स्कूलों में जूझते हैं। इनमें ऐसे मसले भी होते हैं, जिनका शिक्षा में व्यापक प्रभाव है; इस फिल्म की तरह। शिक्षक किसी इंसेंटिव के कारण नहीं, बल्कि अपनी मर्जी से इसके सदस्य बनते हैं, ताकि वे एक अच्छे शिक्षक बन सकें।

यह समूह यूं ही नहीं बना है। कुछ लोगों ने इसके लिए काफी मेहनत की है। उनकी प्रतिबद्धता ही इसे जीवंत बनाए हुए है। बाहर के लोगों से भी ये लगातार बात करते रहते हैं, ताकि यह समूह वैचारिक रूप से शिथिल न हो जाए। इस तरह की पहल को बढ़ावा देना और ऐसी संस्कृति का विकास करना शायद हमारे 80 लाख शिक्षकों के पठन-पाठन में सबसे जरूरी हस्तक्षेप साबित हो। भारत में शिक्षा जगत की तस्वीर को सुधारने में इस तरह की पेशेवर पहल उपयोगी हो सकती है।

-श्री अनुराग बेहार, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से साभार | उनका यह लेख Live हिन्दुस्तान.com से लिया गया है |

पढ़ें और चर्चा करें-

आपने देखा कि किस प्रकार उत्तरांचल राज्य के एक कस्बे के शिक्षक अपने प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से फिल्म देखने जाते हैं और उस पर गहन चर्चा करते हैं | आपके क्षेत्र में गठित प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी किस प्रकार का काम कर रही है, कृपया हमसे एवं आपस में भी साझा करें |

- हमारे शिक्षक विभिन्न विषयों में प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी बनाकर अपन विषय की समझ को किस प्रकार बढ़ा रहे हैं ?
- विज्ञान के नए प्रयोगों को खोज कर कैसे आपस में शेयर किया जा रहा हैं ?
- एक्टिव लर्निंग में नए उदाहरण कैसे ढूंढें एवं तैयार किए जा रहे हैं ?
- आप सभी की सक्रिय सहभागिता से हमारे राज्य में भी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के बेहतर उदाहरण मिल सकेंगे |
- आपके समूह व्दारा इन फिल्मों को देखकर उस पर चर्चा आयोजित की जा सकती हैं:

1. निल बटे सन्नाटा- **Nil Battey Sannata** (a recent bollywood movie)***Nil Battey Sannata*** (Nil Divided By Silence, i.e. 0/0. Uttar Pradesh slang for "Good For Nothing") is a 2016 Indian comedy drama film directed by debutant director Ashwini Iyer Tiwari, and produced by Anand L. Rai, Ajay Rai and Alan McAlex. . Swara Bhaskar essays the lead role of Chanda Sahay, a school drop-out household maid and single mother of a sullen and reluctant to learn young girl named Apeksha Shivlal Sahay played by Ria Shukla.

2. इकबाल - **Iqbal** (another bollywood movie) ***Iqbal*** (Hindi: इक़्बाल) is a 2005 Indian sports drama film written by Vipul K Rawal and directed by Nagesh Kukunoor,[4] and was produced by Subhash Ghai,The story follows a cricket-obsessed boy from a remote Indian village as he aims to overcome his difficulties and become a cricketer and fulfil his dream of playing for the Indian national cricket team. The film received the National Film Award for Best Film on Other Social Issues. This movie had Shreyas Talpade playing his first major role

दिनांक 28 जुलाई, 2016 को आयोजित सर्व शिक्षा अभियान के Joint Review Mission में शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development-CPD) पर जोर दिया गया हैं | उनके व्दारा इस हेतु निम्नलिखित उपाय सुझाए गए हैं:

1. नए शिक्षकों को अनुभवी शिक्षकों, प्राचार्यों, उच्च कक्षा के विषय शिक्षकों के माध्यम से एक मेंटर के रूप में कक्षा शिक्षण हेतु कोचिंग एवं उनके कक्षा अध्यापन का अवलोकन कर फीडबैक देने की व्यवस्था
2. एक दूसरे से सीखने हेतु पियर लर्निंग जिसमे मिलकर योजना बनाना, एक दूसरे की कक्षाओं का अवलोकन करना और एक दूसरे को सुधार हेतु प्रोत्साहन देना |
3. विभिन्न समूहों का निर्माण कर जैसे विषय समूह का गठन कर एक दूसरे से संवाद कायम कर विषय अध्यापन के लिए आवश्यक सामग्री का संकलन कर समूह में साझा करना एवं सुझाव लेना
4. शिक्षकों को विषय विशेषज्ञों, महाविद्यायीन शिक्षकों, वैज्ञानिकों आदि के व्याख्यान सुनने की सुविधा
5. शिक्षकों का स्वस्फूर्त प्रोफेशनल नेटवर्क स्थापित कर ICT के उपयोग से आनलाइन विषय समूहों का गठन कर एक दूसरे से सीखने की व्यवस्था करना
6. शिक्षकों को अपनी कक्षा शिक्षण को रोचक बनाने हेतु जिले, विकासखंड, संकुल स्तर तक पाठ्य-सामग्री को प्रिंट या डिजिटल रूप में एकत्रित करना ताकि वे आपस में साझा किया जा सके
7. बेहतर शिक्षकों व्दारा विभिन्न मुद्दों पर प्रदर्शन कक्षाओं का आयोजन एवं ऐसी कक्षाओं के वीडियो लेकर एक दूसरे को ICT का उपयोग कर उपलब्ध करवाना
8. शिक्षकों के लिए व्यावसायिक क्षमता विकास हेतु अवकाश की सुविधा

9. विभिन्न सेमीनारों, कार्यशालाओं में सहभागिता के अवसर, एक्सपोजर भ्रमण, ई-लर्निंग कम्युनिटी से आपस में जुड़ना आदि

कृपया अपने संकुल, विकासखंड एवं जिले स्तर पर इन मुद्दों पर चर्चा करवाने में महती भूमिका निभाते हुए उपरोक्त कार्यों को अपने क्षेत्र में अवश्य प्रारंभ करवाएं एवं किए जा रहे कार्यों को हमसे भी साझा करें | उपरोक्त सभी कार्यों हेतु आप गत अंकों में सुझाए गए alokshukla.com नाम वेबसाईट में अपने सभी शिक्षकों को उनके मोबाइल नंबर एवं ईमेल एड्रेस लिखते हुए आसानी से रजिस्टर कर सकते हैं | इस वेबसाईट में आप बेहतर सामग्रियों एवं आपके आइडियाज को अपलोड कर एक दूसरे के साथ शेयर कर सकते हैं | आप चाहें तो चर्चा पत्र के सभी अंक भी इस वेबसाईट से निकाल सकते हैं |

एजेंडा क्रमांक तीन : कक्षा तीन के बच्चों में सीखने में अकादमिक चुनौतियां

आरटीई वाच कार्यक्रम के अंतर्गत सामाजिक संस्थाओं व्दारा राज्य के 19 जिलों के 37 विकासखंडों में कक्षा तीन के 3606 बच्चों का आकलन किया गया जिसका विवरण इस प्रकार है:

शैक्षणिक उपलब्धि स्तर हेतु कक्षा तीन में निर्धारित कौशल

हिन्दी	देखकर एवं सुनकर वर्ण पहचान, चित्र पहचान कर वर्ण लिखना, चित्रों पहचान शब्द और वाक्य पहचान, तुकबंदी शब्द पढना और लिखना, इमला लिखना (शब्द), कहानी पढ़ वस्तुनिष्ठ प्रश्न उ ,भाषा समझ) (इस्तेमाल
गणित	संख्यात्मक अवधारणा, संख्या क्रम, पूर्णांको पर उ गुणा एवं भाग की ,घटाव ,संक्रियाए

कक्षा ३ – हिंदी में विद्यार्थियों की विभिन्न दक्षताओं की प्राप्ति में चुनौतिया

विद्यार्थियों के साथ मूल्यांकन से पूर्व खेल, कविता, गीत के माध्यम से वातावरण को सहज बनाया गया एवं एवं अपेक्षित उत्तर की ओर बिना इंगित किये प्रश्न की भाषा को विद्यार्थी को समझाया गया। दक्षता संबंधी प्रश्नों को हल करने के दौरान विद्यार्थियों के द्वारा की गयी त्रुटियां निम्नानुसार है-

प्र	दक्षत	परिणाम	विद्यार्थियों के समस्या क्षेत्र
अक्ष को पहचान कर उससे शु होने वाले शब्दो पर गोला बनाना	स्व व्यंजन देखकर पहचान	55.54%	• एक शब्द पर गोला बनाने के स्थान पर दो य तीनो शब्दों पर गोला बनाना। • गलत शब्दों पर गोला बनाना। स्वर, व्यंजन वं समझ न होना।
बोले गए अक्ष को ध्यान से सुनना और लिखे शब्दो में से उन्हें पहचान कर उन पर गोला बनाना	स्व व्यंजन सुनकर पहचान	42.80%	• बोले गए अक्षरों पर गोला नहीं किसी दूसरे अक्ष पर गोला बनाना। • एक से अधिक अक्षरों पर गोला बनाना। • बोले गए 4 अक्षरों के बजाय कम अक्षरों पर गो बनाना।
चित्र को देख समझ कर, अक्ष लिखकर शब्द को पूरा करना	अक्ष लिखना	45.72%	• अपेक्षित सार्थक शब्द में गलत अक्षर लिखना। • शब्द के साथ इस्तेमाल होने वाली मात्रा को न लगाना। • खाली स्थान मे अक्षर लिखने के बजाय चित्रों की जोड़ी बना देना।
चित्रों को देखकर उनके नाम के साथ मिलान करना	शब्द पहचान	90.67%	• गलत शब्दों के साथ बिना समझ के चित्र और सामने शब्द को लाइन से मिलाना। • पुनः उन्हीं शब्दों को कापी कर उनके सामन लिखना।
चित्रों को देखकर उनके वाक्य के साथ मिलान करना	वाक्य पहचान	66.00%	• गलत वाक्यों के साथ लाइन मिला कर वाक्यों को जोड़ना। • चित्रों के नाम लिख देना।

शब्दों को पढ़कर मिलते जुलते बोले जाने वाले शब्दों को खाली स्थान में लिखना (तुकबंदी)	शब्द समझ कर लिखना	17.09%	• शब्द के उच्चारण संबंधी दूसरे शब्द न लिखना। • सार्थक बोले जाने वाले शब्द नहीं लिख पाना।
बोले गए शब्दों को खाली जगह में लिखना (इमला)	शब्द सुनकर लिखना	12.35%	• सुन कर लिखे शब्दों में मात्रा का उचित ढंग से प्रयोग नहीं करना। • बोले गए सरल शब्द के सभी वर्ण पूर्ण नहीं लिख पाना।
कहानी पढ़ समझ कर प्रश्न □□□□ उत्त □□ □□□□ □□□□	□□□ □□□ □□ इस्तेमाल	22.01%	• सरल कहानी को पढ़कर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के सही उत्तर नह □□ □□ □□□।

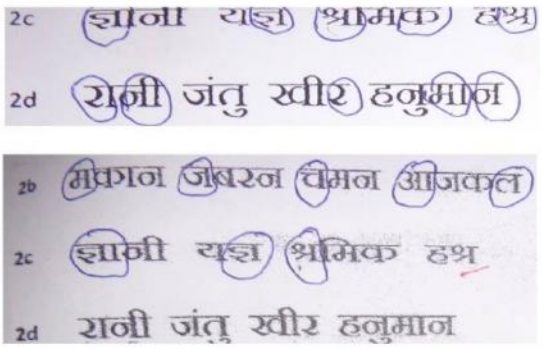

स्वर व्यंजन पहचान

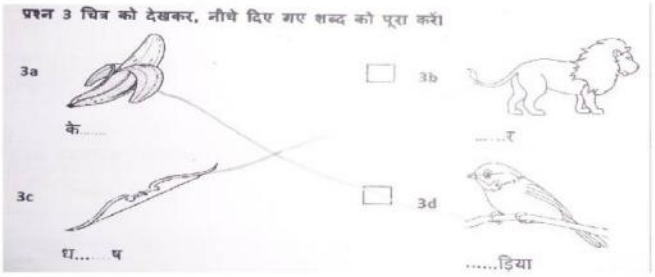

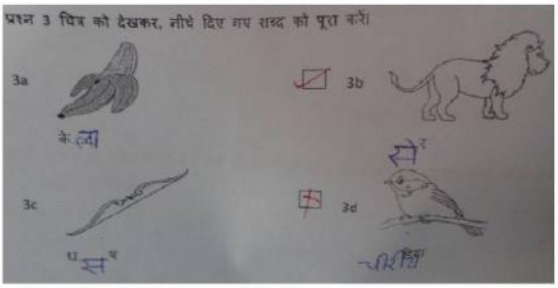

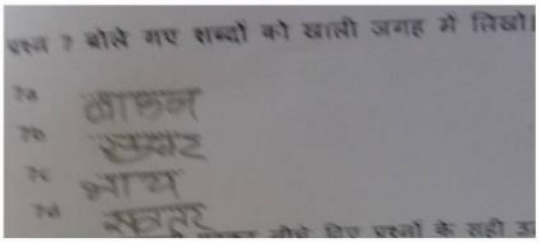

बोले गए शब्द लिखों

चित्र देख एक अक्षर लिखों

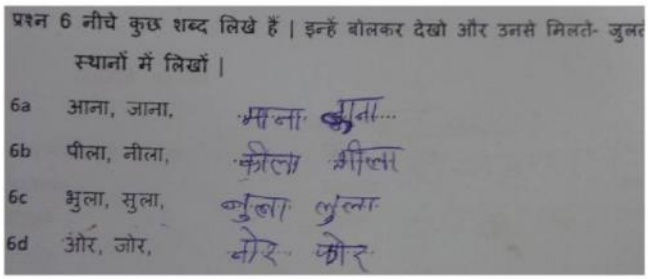

तुकबंदी

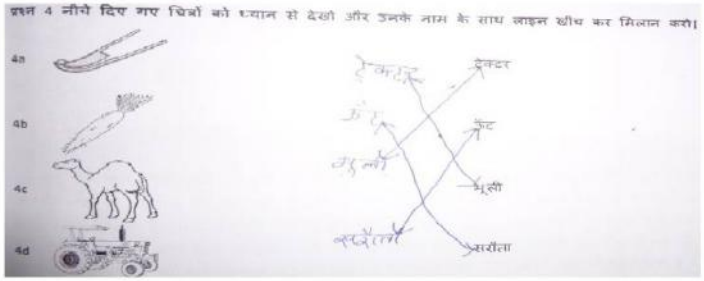

शब्द और चित्र की जोड़ी मिलाओं

कक्षा 3 – गाणत म ावद्याथया का ावाभन्न दक्षताआ का प्राप्त म चुनाातया

ावद्याथया क साथ मूल्याकन स पूव खल, कावता, गात क माध्यम से वातावरण को सहज बनाया गया एवं एवं अपाक्षत उत्तर का आर ाबना इागत ाकय प्रश्न का भाषा का ावद्याथा का समझाया गया | दक्षता सबधा प्रश्ना व हल करन क दाारान ावद्याथया क द्वारा का गया त्राुटया ानम्नानुसार ह-

प्रश्न	दक्षता	पारणाम	ावद्याथया क समस्या क्षत्र
ाचत्रा को गिनना एवं प्राप्त सख्य को खाली ाडब्ब म लिखना	सख्य गिनना	55.07%	• सख्या ालखन क स्थान पर ाचत्रा क नाम ालख दना । • गलत सख्या का ालखना ।
बोली गयी सख्याअ को ध्यान से सुनना एवं उन्ह लिखना	बोली गयी सख्य लिखना	42.20%	• बाला गया सख्या क स्थान पर काइ अन्य सख्या लिखना । • अका का सहा स्थान पर ालखना - दहाई और सैकड़ा का ज्ञान नहा आर इस कस प्रदाशत ाकया जाय समस्या क्षत्र ।
खाली जगह म सहा सख्य क्र लिखना	सख्य क्र	39.38%	• सकड़ का सख्या क स्थान पर दहाइ वाला सख्या क साथ क्रम ालखना । • क्रम सख्या का न ालखत हुए काइ अन्य सख्या ालखना ।
जोड़ के सवाला को हल करना	दो अंक म दो अंको वाली सख्य का हासिल और ाबना हासिल के जोड़	36.97%	• सख्या क सहा स्थान इकाइ दहाइ स्थान अनुसार नहा रखन स जाड़ का उत्तर गलत । • पाछ क अका स जाड़न क स्थान पर आग क अका क साथ जोड़ना । (स्थानाय मान – समस्य)
घटाव के सवाला को हल करना	दो अंक म दो अंक वाली सख्य का उधार और ाबना उधार के घटाव	23.07%	• सख्या का अवधारणा सहा नहा हाना । • उधार लन का प्राक्रया का सहा नहा कर पाना । • पाछ क अका क साथ घटान क स्थान पर आग क अका क साथ घटाना ।
गुणा के सवाला को हल करना	दो अंक वाली सख्य म एक अंक से गुणा	13.57%	• ासफ पहाड़ का अवधारणा क साथ गुणा क सवाला का हल करना । • एक एक अका क पहाड़ का प्राक्रया आर ाफर हाासल क साथ शेष जोड़ कर अगला अंक लिखना - गुणा का अवधारणा स्पष्ट न हाना । • एक लाइन म ालख अका का साध नाच उतारा जाना ।
भाग के सवाला को हल करना	दो एवं तीन अंक म एक अंक वाली सख्य से भाग	3.42%	• भाग प्राक्रया हतु आवश्यक पूव दक्षता जस घटाना, पहाड़े आाद अवधारणा का पुष्ठ न हाना । • ासफ पहाड़ का अवधारणा स भाग क सवाला का हल करना।

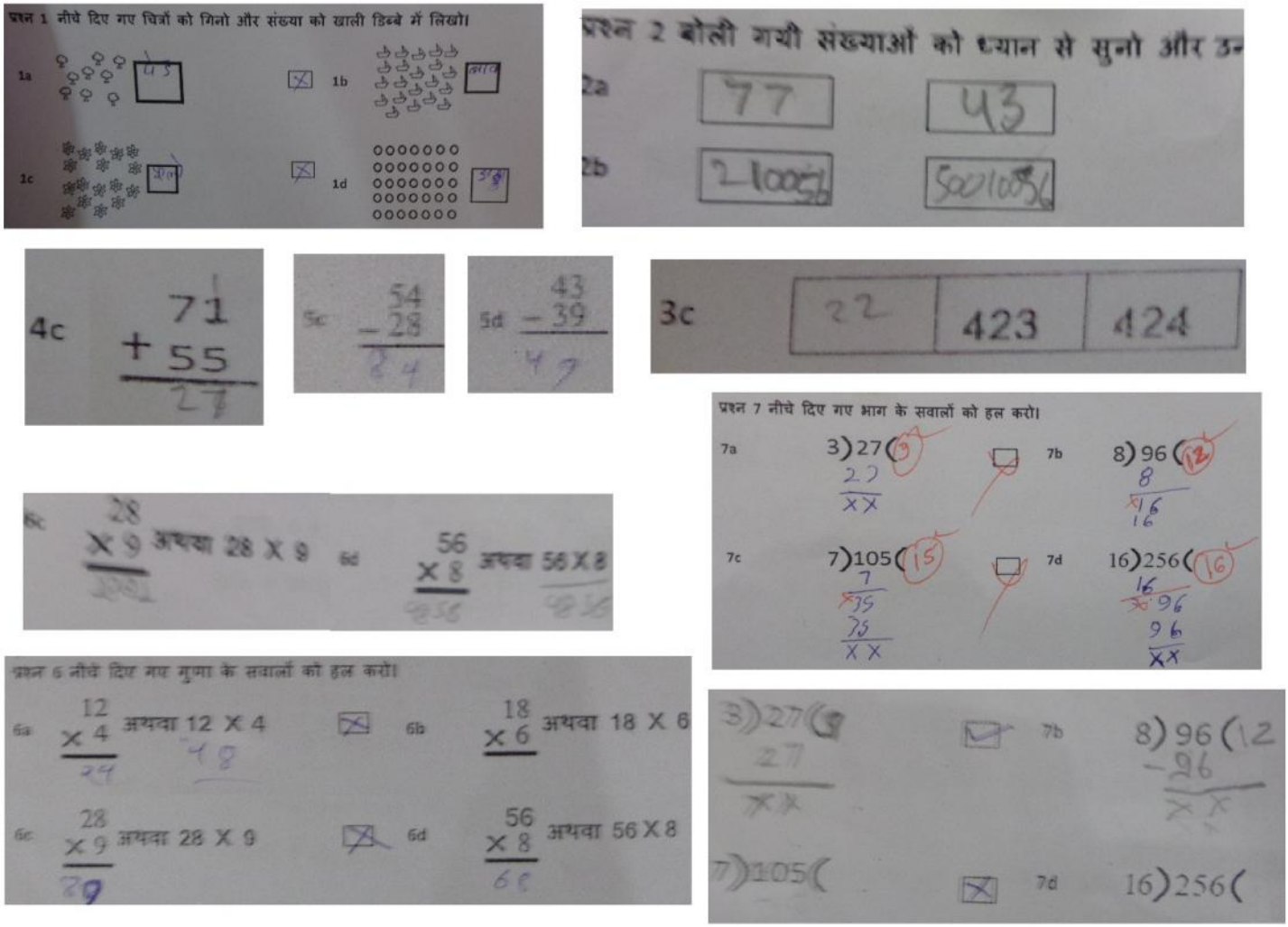

एजेंडा क्रमांक चार : स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2016: स्टार रेटिंग सिस्टम

स्कूलों में [illegible] सफाई और स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयास पहचान हेतु, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर प्रारम्भ किये गये "स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार, 2016" में आपके विद्यालय की सक्रिय [illegible]

आपके विद्यालय द्वारा इस पुरस्कार के अंतर्गत- मोबाइल एप या ऑनलाइन वेबसाईट के माध्यम से उल्लेखनीय [illegible] "छत्तीसगढ़ रा " [illegible], 2016 के अंत में पुरस्कार के लिए रजिस्ट्रेशन और आवेदन करने में, राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे (2nd) स्थान पर आ गया है इनसे छत्तीसगढ़ के विद्यालयों के सन्दर्भ में निम्न 2 तथ्य तो - स्पष्ट -

1. **शिक्षक/ विद्यालय आधुनिक तकनीकी के उपयोगकर्ता (Techno friendly users) हैं |**
2. **विद्यालयों में बच्चों के अनुकूल "स्वच्छ विद्याल " के विकास में विशेष अभिरुचि है |**

स्वच्छ विद्यालय पु स्कार शालाओं में सर्वश्रेष्ठ सफाई व स्वच्छता व्यवहार को प्रोत्साहित और सम्मानित करने का एक प्रयास है। आपको ज्ञात होगा कि इस पुरस्कार के आवेदन के प्रकिया में प्रत्येक विद्यालय ने स्वच्छ विद्यालय के संबधित 5 प्रमुख उप श्रेणियों के अंतर्गत टूल के माध्यम से 39 बिन्दुओं पर अपने शाला की स्थिति का [illegible] LoPN fo|ky; i|jLdkj d vrxir iR;d fo|ky; e fuEu vfuok;Z vk;ke/

fcUn| g& ty] 'kkpky; bdkb] Ikcu ls gkFk /kykb] Ipkyu ,o j[kj[kko] 0;ogkj ifjorZu vkj {kerk of)A

□□□□□□- साथ, स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार की प्रक्रिया में प्रत्येक स्कूल द्वारा भरे प्रपत्र के, अनुसार स्कूल के स्कोर के आधार पर स्कूल को निम्न स्टार (*) रेटिंग प्रणाली में रखा गया है |

स्कोर	श्रेणी (Rating)	Color	रिमार्क
90% से 100% मानक	हरा ☆☆☆☆☆		सर्वश्रेष्ठ, जारी रखे
75% से 89% मानक	नीला ☆☆☆☆		बहुत अच्छा
51% से 74% मानक	पीला ☆☆☆		अच्छा, लेकिन सुधार की जरूरत
35% से 50% मानक	केसरीया ☆☆		ठीक, सुधार आवश्यक
35% से कम मानक	लाल ☆		कमजोर, अधिक सुधार आवश्यक
किसी भी पुरस्कार के लिए पात्रता हेतु, प्रत्येक शाला को, प्रत्येक उपशीर्ष में केसरीया श्रेणी या 35% से उपर प्राप्त करना आवश्यक है।			

स्वच्छ विद्यालय के सन्दर्भ में उपरोक्त रेटिंग का यह महत्व हैं, कि इसके आधार पर प्रत्येक स्कूल को प्रत्ये घटक में - स्कोर, रंग, और स्टार (*) प्राप्त हो जाते हैं| इस टूल के माध्यम से अपेक्षित हैं, कि प्रत्येक विद्यालय स्वच्छ विद्यालय के घटकों में एक निश्चित समय अवधि में हरे रंग या 5 स्टार या सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के स्तर तक पहुँच पाये | इस आधार पर स्कूल इस प्रकार से प्रयास कर सकता हैं, कि वह चरणबद्ध तरीके से 1 स्टार से 2 स्टार, 2→3, 3→4 □ 4→5 स्टार पर पहुंचे |

"स्वच्छ विद्यालय" के टूल के रेटिंग सिस्टम के उपयोग के सांकेतिक उदाहरण

मूल्यांकन प्रपत्र के घटक "शौचालय इकाई" श्रेणी, में प्रश्न सख्य 15 के अतगत मात्र कुण्डी □□ □□□□□□□□□□□□□ □□ सुरक्षित □□□□□मे उपयुक्त □□□□ □□ □□□□मात्र □□□ बिंदु □□ एक्स्ट्रा □□ प्राप्त किये □□ □□□□है | ewY;kadu izi= ds ?kVd" □□□□ □□□□ □□□□" □5 प्रश्नो (19–24) मे, □□□- □□स्कूल □बिन्दुओ □□□1-) □□□□ उपलब्धता (□□□ □पश्चात), 2-) □□□□ उपलब्धता (□□□□ □पूर्व), 3-) □□□ □□□□ सुविधा को व्यवस्थ , □□□ □□वग □बच्चो □□□□ उपयुक्त □□□□ □□ □□□□□□□□, □□ श्रेणी (कटेगरी) मे स्कोर □□ है, □□ □□ बिन्दुओ □□ स्कूल , □□□□ प्रबधन □□□□□, □□□ □□□ □ □□□□□ आदि □माध्यम □□□□□ किया □□ □□□□ □□| □□□ प्रकार अन्य श्रेणी □बिन्दुओ **जैसे– जल, संचालन एवं रखरखाव, व्यवहार परिवर्तन और क्षमता वृद्धि के अन्तर्गत यह देख सकते हैं, कि आप किन बिन्दुओं को अपने स्थानीय स्तर पर आसानी से "सुधार" सकते हैं।**
□□ क्य □□□"स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2016", को □□ □□□□□ □□□ □माध्यम □वर्तमान स्व मूल्यांकन □□□ □□□ □□, स्कूल को रेटिंग/ स्टार □□□□को □□□□□ □□□ □□ □ताकि □□□□वर्ष □□□विद्यालय , उच्च श्रेणी मे □□□ □□□?

एजेंडा क्रमांक पांच : कक्षा शिक्षण के उद्देश्य को दुहराना

आधुनिक शिक्षण शास्त्र हम शिक्षकों से यह अपेक्षा करता है कि हम अपने किसी पीरियड में जिस बिंदु को सिखाना चाहते हैं या उस पीरियड का जो भी उद्देश्य आपने निर्धारित किया है, उसे बच्चों के साथ बार-बार □□□□ करें, एक पीरियड में कम से कम चार-पांच बार तो अवश्य दुहराएं | जैसे यदि किसी पीरियड में आप किसी अंक को सात से जोड़ना सिखा रहे हैं और उस दिन सभी बच्चों से आप कम से कम दस-पन्द्रह अलग -अलग अंकों को सात से जोड़ने का अभ्यास करा रहे हैं तो उस दिन आपको अपनी कक्षा में बार-□□□ □□ □□□□□ □□□□- **"बच्चों आज हम किसी भी अंक का सात से जोड़ करना सीखेंगे "** | यदि हम किसी भी वर्ण में "ऊ" की मात्रा लगाना सीख

□□हैं तो आपको उस दिन बार-बा□ □□ □□□□ □□□ □ **"बच्चों आज हम किसी भी वर्ण में ओ की मात्रा लगाना सीखेंगे"** |

अब शिक्षकों से चर्चा करें कि कितने शिक्षक रोज अपनी कक्षा में इस प्रकार से अपनी कक्षा के लिए उनके व्दारा निर्धारित उद्देश्यों को दुहराते हैं | ऐसा करने से क्या लाभ हो सकता है, इस पर चर्चा करवाएं | कुछ लाभ इस प्रका से हो सकते हैं :

हमें किसी पीरियड में क्या करना है, यह ध्यान में रहता है और हमें अपने उद्देश्य से भटकने की संभावना कम हो □□□□ □□
बच्चों को भी मालूम रहता है कि इस पीरियड से उन्हें क्या सीखने की अपेक्षा है और क्या वे उसे सीख पा रहे हैं ?
Time on task की पूर्ति होती है ? Time on task क्या होता है, शिक्षकों से पूछें | इस पर पूर्व के अंक में चर्चा हुई है |
मूल्यांकन करने में आसानी होती □□**इनके अलावा और क्या क्या लाभ हो सकते हैं चर्चा करें** |

एजेंडा क्रमांक छह : गत माहों में दिए गए कार्यों की समीक्षा

हम प्रतिमाह आपके संकुल के लिए राज्य स्तर से विभिन्न अकादमिक मुद्दों पर चर्चा के लिए सामग्री तैयार कर उपलब्ध करा रहे हैं | आपमें से अधिकाँश व्दारा पूछे जाने पर इससे संकुल की चर्चाओं में लाभ होना बताया गया है| परन्तु आपनी ओर से किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी नहीं दी जाती जिससे हमें चर्चा पत्रों के आधार पर किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी नहीं मिल पाती | आपसे इस माह हम सभी की ओर से निम्नलिखित अपेक्षाएं हैं और यदि आप इन मुद्दों पर अपने विचारों से हमें अवगत करा सकेंगे तो हमें भी आगे कार्य करने हेतु प्रोत्साहन एवं नए विचार मिल सकेंगे:

- अपने संकुल एवं ऊपर सक्रिय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का गठन एवं उनके द्वारा किए जा र विभिन्न कार्यों से परिचय देने हेतु एक रिपोर्ट उपलब्ध कराना
- अपने क्षेत्र के सभी शालाओं के बाहरी दीवार पर मिशन स्टेटमेंट लिखना एवं उनके अनुरूप कार्य करना □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□
- माह अगस्त में अंतिम तिथि होने की वजह से इग्नाईट अवार्ड के लिए अपने संकुल से कम से कम दस बच्चों व्दारा अवार्ड के लिए नाम भेजकर सूचित करना

एजेंडा क्रमांक सात : लंबी अनुपस्थिति वाले बच्चों की समस्य

□□□□□□ के शिक्षकों के साथ लंबी अनुपस्थिति वाले बच्चों के बारे में इन मुद्दों पर चर्चा कर समाधान निकालने का प्रयास करें-

आमतौर पर कौन से माह में बच्चे अनुपस्थित होना शुरु हो जाते हैं और कब तक वापस आते हैं ?
ऐसे कौन कौन से बच्चे या परिवार हैं जो लंबी अवधि के लिए गाँव से बाहर चले जाते हैं ?
इस लंबी अवधि में इन बच्चों की पढाई का क्या हश्र होता है ?
ऐसे बच्चों को पढाई से वंचित न होने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं ?
क्या शाला प्रबन्धन समिति ऐसे बच्चों को गाँव में ही रोके रखने के लिए कुछ व्यवस्था कर सकती है
क्य इस अवधि में नए स्थल में बच्चों की पढाई जारी रखने हेतु कुछ नवाचारी उपाय किए जा सकते हैं ?
क्या पालक आपस में तय कर बड़े-बुजुर्गों के संरक्षण में इन्हें छोड़कर जा सकते हैं ?
क्या समूह में से किसी व्यक्ति को बच्चों की पढाई जारी रखने के लिए जिम्मेदारी एवं समर्थन दिया जा सकता है ?
संकुल में किन-किन शालाओं में इस प्रकार की समस्या है ' क्या स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर
समस्याओं के समाधान के लिए कुछ प्रयास किया जा सकता है ?

□न क्षेत्रों में ऐसी समस्या नहीं है पर कुछ बच्चे अकारण लंबी अवधि के लिए स्कूल नहीं आते तो ऐसे बच्चों को नियमित करने के लिए क्या उपाय हैं ?
क्या आपको नहीं लगता कि प्रतिवर्ष होने वाले मौसमी पलायन से बच्चों के पढाई का बहुत नुकसान होता है ? क्या ऐसे पालकों के साथ कोई बैठक आयोजित कर कुछ बीच का रास्ता निकाला जा सकता है ? **चर्चा करें** |

एजेंडा क्रमांक आठ : अंग्रेजी अध्यापन हेतु सुझाव

आशा है आपने गत अंक में एस.सी.ई.आर.टी. व्दारा उपलब्ध कराए गए परियोजनाओं को नियमित रूप से कराए जाने की व्यवस्था कर ली होगी | इस बार छग एस.सी.ई.आर.टी. व्दारा अंग्रेजी हेतु उपलब्ध कराए गए गतिविधि से आपका परिचय करवा रहे हैं |

Activity One: Listing items in English

चरण :– 1. ऐसी चीज़ों की सूची बनाए जो आमतौर पर शिक्षक साथ में लेकर चलते हैं। जैसे की pen, bag, ATM card विद्यार्थियों की सूची, कंघी आदि। इन वस्तुओं के नाम छोटे–छोटे chit में लिखें एक chit में मात्र एक वस्तु का नाम लिखें। Put the chit in an open box.

चरण :– 2. सभी शिक्षकों से कहें कि वे कम से कम एक personal वस्तु एक निश्चित table पर रखें।

चरण :– 3. अब एक–एक कर chit को उठाकर उसमें लिखे नामों को पढें। जिस वस्तु का नाम पढ़ा जाता है शिक्षक उस वस्तु को table से उठा लेते हैं।

समस्त chit पढ़े जाने के बाद जिन के चीजें table में रहें (यानि की जिन चाजों के नाम chit पर नहीं लिखे गए है), वे game के winner होंगे।

Points to Ponder (विचार हेतु बिंदु)

1. उक्त क्रियाकलाप का उद्देश्य क्या हैं? चर्चा करें अपेक्षित उत्तरः
   (i) आंग्ल भाषा में आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले वस्तुओं के नाम का अभ्यास होगा।
   (ii) आंग्ल भाषा में शब्दों को सुनने का अभ्यास होगा।
   (iii) शब्दों के नामों का revision होगा।

   Note : उपरोक्त अपेक्षित उत्तर के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के उत्तर हो सकते है।
2. उक्त क्रियाकलाप को आप कौन से कक्षा में कराना उपयुक्त समझते है?
3. उक्त क्रियाकलाप करते हुए आपको किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है? उनके क्या उपाय हो सकते हैं?
4. उक्त क्रियाकलाप में आप क्या परिवर्तन करना चाहेंगे?

Activity Two: Classroom instructions in English

चरण :– 1. शिक्षकों को 5–5 के समूहों में बांटें। उनसे classroom instructions (कक्षागत निर्देशों) (for example: Come in; take out your books; read aloud; stand in a line etc.) की list बनाने को कहें। 10 मिनट का समय दें। जिस Group ने maximum number of meaningful instructions का list बनाया हो, वह group winner कहलाएगा।

Points to ponder:

1. उक्त क्रियाकलाप का उद्देश्य क्या हैं? चर्चा करें अपेक्षित
   उत्तरः

(i) कक्षाई निर्देशों को English में देने की आदत होगी।
(ii) English में कक्षाई निर्देशों से परिचित होंगे।
(iii) आंग्ल भाषा में संप्रेषण करने का आत्मविश्वास दृढ़ होगा।

Note : उपरोक्त अपेक्षित उत्तर के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के उत्तर हो सकते हैं।

Discuss with the teachers:

1. Which of these instructions do you often give in the classroom only in English?
2. What problems are you likely to face if you give all these instructions in English only, not in Hindi?
3. How can you overcome these problems?
4. How can you assure that you speak as much English as possible in the class?

कोई भी English के शब्द को 6" x 4" के card/paper पर लिखे। ऐसे card/paper pieces की संख्या कम से कम उतनी हो जितने प्रतिभागी हैं।प्रत्येक प्रतिभागी को बारी–बारी से सामने बुलाकर उनके पीठ पर कपड़े से paper piece को pin करें जिसमें कोई word लिखा हो।
अन्य सभी प्रतिभागी silently उस शब्द को पढ़ लें। अब वे सामने खड़े प्रतिभागी को hint देकर बताएं कि card/paper piece पर कौन सा शब्द लिखा है। सामने खड़े प्रतिभागी hint का उपयोग कर guess करेंगे की card/paper piece पर कौन सा शब्द लिखा है।

Points to ponder:

1. उक्त activity के क्या objective (उद्देश्य) हैं? चर्चा करें। अपेक्षित उत्तर

(i) English में कुछ परिचित शब्दों हेतु अभ्यास होगा।
(ii) English में व्यक्तिगत शब्दकोष में वृद्धि होगी।

Note : उपरोक्त अपेक्षित उत्तर के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के उत्तर हो सकते हैं।

2. उक्त क्रियाकलाप को आप कौन से कक्षा में कराना उपयुक्त समझते है?
3. उक्त क्रियाकलाप करते हुए आपको किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है? उनके क्या उपाय हो सकते हैं?
4. उक्त क्रियाकलाप में आप क्या परिवर्तन करना चाहेंगे?

Activity Three: Grammar Quiz

उपस्थित शिक्षकों को दो समूहों Grammer Quiz में बांटें। Quiz competition कराएं। दिए गए pair of sentence मे से कौन सा sentence सही है, शिक्षकों को बताना है। जो group अधिकतम सही उत्तर दें, वह winner group कहलाएगा।

Point to Ponder

1. उक्त activity के क्या objective (उद्देश्य) हैं? चर्चा करें।

(i) Verbs का उचित forms का उपयोग का अभ्यास होगा।

(ii) Pronouns का उचित उपयोग का अभ्यास होगा।

(iii) Quiz conduct करने का अभ्यास होगा।

नोट :– उपरोक्त अपेक्षित उत्तर के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के उत्तर हो सकते है। उनके क्या उपाय हो सकते हैं?

2. उक्त क्रियाकलाप को आप कौन से कक्षा में कराना उपयुक्त समझते है?

3. उक्त क्रियाकलाप करते हुए आपको किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है? उनके क्या उपाय हो सकते हैं?

4. उक्त क्रियाकलाप में आप क्या परिवर्तन करना चाहेंगे?

Quiz Questions for Group-1	Quiz Questions for Group-2
1. Horses **eats** grass. (wrong) Horses **eat** grass.(right)	1) Dogs **barks**. (wrong) Dogs **bark**. (right)
2. This pen is **my**. (wrong) This pen is **my**. (right)	2) That seat is **yours.** (right) That seat is **your.** (wrong)
3. This is **yours** cat. (wrong) This is **your** cat. (right)	3) This is **mine** book. (wrong) This is **my** book. (right)
4. I agree. (right) I **am** agree. (wrong)	4) **I** accept your answer. (right) **I am** accept your answer. (wrong)
5. She can play neither kho kho **nor** kabaddi. (right) She can play neither kho kho **or** kabaddi. (wrong)	5) He can **either** go home nor stay back. (wrong) He can **neither** go home nor stay back. (right)
6. Yesterday he **told** the story. (right) Yesterday he **tells** the story. (wrong)	6) Tomorrow she will **come** early. (right) Tomorrow she will **came** early. (wrong)
7. Hello! **I am** Rahul Markam. (right) Hello! **Myself** Rahul Markam. (wrong)	7) Let them do it **themselves**. Let them do it **themself**. (wrong)
8. The box of oranges is heavy. (right) The box of oranges are heavy. (wrong)	8) The group **is** singing. (right) The group **are** singing. (wrong)
9. Jerry and **I** went home. (right) Jerry and **me** went home. (wrong)	9) She gave the projects to them and **we**. (right) She gave the projects to them and **us**. (wrong)
10. The teacher told we to write. (wrong) The teacher told us to write. (right)	10) Hemlata and **I** went to the market. (right) Hemlata and **myself** went to the market. (wrong)

एजेंडा क्रमांक नौ : आपका सवाल

□□□□□□, बिलासपुर जिले □□□□□ □□□ समन्वयक श्री □□□□□□ □□□व्दारा □□□□□ □□ □□□ मे शिक्षको को □□□□ □□□ □□□□□□ □□प्रश्न नेपियर स्केल को जानकारी □□□□□ □□□□ □□ पूछी □□□ □□ □□ □□□ मे □□ शिक्षको □□□ चर्चा □□□□ □□□ □□ | यदि □□□□ स्कूल मे □□□□□ ब्लैकबोर्ड □□अंतर्गत उपलब्ध किट □□ □□ □□□□□□ स्केल □□□ □□□□ □□| इसमे चित्र मे दिए □□ □□□□□ पाट्टिय □□□□ है जिनको □□□ □□ गणित की विभिन्न कठिन सक्रियाओ □□ □□□ सक्रियाओ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ किए □□ □□□□हैं | नेपियर व्दारा □□ स्केल □□ आविष्कार किया □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□ नेपियर स्केल □□ नेपियर □□□ □□□ □□□□ □□| श्री □□□□□□ □□ □□□□□□□□ शिक्षको □□इसकी जानकारी □□□□□□ □□□□ □□ □□| श्री □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□!

0	1	2	3	4	5	6	7	8	9
0/0	0/2	0/4	0/6	0/8	1/0	1/2	1/4	1/6	1/8
0/0	0/3	0/6	0/9	1/2	1/5	1/8	2/1	2/4	2/7
0/0	0/4	0/8	1/2	1/6	2/0	2/4	2/8	3/2	3/6
0/0	0/5	1/0	1/5	2/0	2/5	3/0	3/5	4/0	4/5
0/0	0/6	1/2	1/8	2/4	3/0	3/6	4/2	4/8	5/4
0/0	0/7	1/4	2/1	2/8	3/5	4/2	4/9	5/6	6/3
0/0	0/8	1/6	2/4	3/2	4/0	4/8	5/6	6/4	7/2
0/0	0/9	1/8	2/7	3/6	4/5	5/4	6/3	7/2	8/1

इस बारे मे अधिक जानकारी इस वेबसाईट पर देखी जा सकती है और नेपियर स्केल के बारे मे विस्तृत विवरण **alokshukla.com** मे भी डाला जा रहा है | आप अपने सवाल इस वेबसाईट मे पूछ सकते है | आपको विशेषज्ञो के माध्यम से उत्तर देने का प्रयास किया जाएगा - **http://gwydir.demon.co.uk/jo/numbers/machine/napier.htm**

एजेंडा क्रमांक दस: चित्र पर चर्चा

एजेंडा क्रमांक दस: चित्र पर चर्चा

- □□□□□□□ में कितने स्कूल □□ □□□डी ग्रेड में □□ हैं ?
- □□ स्कूलों □□□□ आपकी क्य □□□□□ □□?
- □ □□□□ ग्रेड की □□□□ □□□□□□ □□□□□□ करेंगे ?
- □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□□□□ करेंगे ?

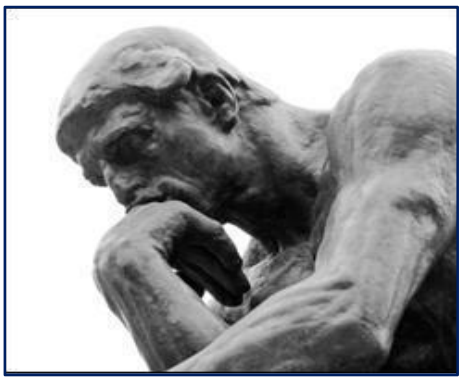

हमने पिछले अंकों में आपसे बच्चों के उपलब्धि परीक्षण के संबंध में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया था | हमारे राज्य की एक प्रमुख समस्या बच्चों के एक बड़े प्रतिशत व्दारा उपलब्ध कराए गए प्रश्नों को हल न कर पाना या उत्तर की जगह प्रश्न को ही □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□-धीरे छुड़वाते हुए सभी प्रश्नों को हल करने हेतु प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया गया था | आपको बच्चों से अभ्यास के लिए एन.सी.ई.आर.टी. व्दारा विकसित प्रश्नपत्र भी गत वर्ष माह अक्टूबर के चर्चा पत्र में उपलब्ध कराए गए थे | इस बार डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान में शालाओं में कक्षाओं के आकलन के दौरान इन प्रश्नों का उपयोग किया जा सकता हैं | अतः बच्चों से इन पर पर्याप्त अभ्यास करवा लेवें |